मुख्तारनामा (बिना प्रतिफल के सम्पत्ति के विक्रय का अधिकार प्रदान करने वाला)

मै.....पुत्र/पत्नि/पुत्री/.....
...उम्र.....वर्ष निवासी.....इस विलेख के द्वारा श्री/श्रीमति/सुश्री.....पुत्र/पत्नि/सुश्री.....
..उम्र.....वर्ष निवासी.....को मैं अपनी .....
.....स्थित फ्लेट/मकान/भूखण्ड/कृषि भूमि जिसका विस्तृत विवरण आगे अनुसूची में दिया गया है के संबंध में मेरे नाम से तथा मेरी ओर से निम्नलिखित कार्य करने हेतु अपना मुख्तार बनाता हूँ, तथा नियुक्त करता हूँ :–

1. यह कि उक्त सेंपत्ति के संबंध में जहां कहीं भी मेरी स्वयं की उपस्थिति की आवश्यकता हो, उन सभी शासकीय, अशासकीय, अर्द्धशासकीय एवं अन्य सभी कार्यालयों में स्वयं उपस्थित होकर वहां होने वाली कार्यवाहियों को अपने स्वयं हस्ताक्षरों से करें या करावे।
2. यह कि उक्त संपत्ति के संबधं में कोई भी वाद–विवाद उत्पन्न हो तो उसमें मुख्तार मेरी ओर से सभी न्यायालयों में जो भी कार्यवाही आवश्यक हो, उसे मुख्तार अपने स्वयं के हस्ताक्षरों से करे या करावे या पैरवी हेतु अभिभाषक नियुक्त करें।
3. यह कि वह उक्त संपत्ति का बिक्री पत्र लिखकर उसे बहैसियत, मुख्तार अपने स्वयं के हस्ताक्षर कर पंजीयन कार्यालय में प्रस्तुत करे, विधिवत् पंजीयन कराए, प्रतिफल लेना, देना प्राप्त कर स्वीकार करे एवं इस सबंध में अन्य जो भी कार्यवाही हो उसे मुख्तारआम अपने स्वयं के हस्ताक्षरों से मेरी ओर से करे या अरावे तथा तदानुसार संबंधित कार्यालयों में अभिलेखों में इंद्राज करावे।
4. यह कि उक्त संपत्ति का नामांतरण क्रेता के नाम से करवाए, इसमें आवश्यक दस्तावेजों, अनंबंध पत्रों, संयुक्त शपथ पत्रों, आवेदन पत्रों आदि पर मेरी ओर से मेरे लिए स्वयं के हस्ताक्षर करे तथा आवश्यक कार्यवाहियां स्वयं करवाये।
5. यह कि मुख्तार उक्त संपत्ति को किराये पर दे, किरायेदारी का अनुबंध करे, किराया वसूल करे, किरायेदार से भवन खाली करवाये, इस संबंध में जो भी दस्तावेज हो, उन पर स्वयं अपने हस्ताक्षर करे।
6. यह कि यह अधिकार पत्र अपरिवर्तनीय है/.....वर्ष/माह के लिए दिया गया है।

निरंतर.....2.....

7. यह कि मुख्तार उक्त संपत्ति के संबंध में मेरी ओर से जो भी कार्यवाही स्वयं के हस्ताक्षरों से करेगा, वह मुझे पूरी तरह से मान्य व स्वीकार होगी और ऐसी मानी जावेगी जैसे कि मैने स्वयं उन्हें अपने ही हस्ताक्षरों से किया हो।

अनुसूची
(सम्पत्ति का विवरण)

.....

..

.....

..

.....

..

.....

..

.....

..

.....

..

अतः यह मुख्तारनामा आज दिनांक .....की दो गवाहों के समक्ष राजी–खुशी से निष्पादित कर दिया ताकि सनद रहे व वक्त जरूरत पर काम आवे।

दिनांक.....

हस्ताक्षर गवाहान –
(निष्पादनकर्ता)

हस्ताक्षर

1.

2.